हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 12 दिसंबर, 2025

12 इनेलो नेता आदित्य देवीलाल ने की संगठन की समीक्षा

12 युवाओं को नशे की प्रवृति से दूर रहना चाहिए : महंत

खबर संक्षेप

दिल्ली रैली में मांगा जाएगा वोट चोरी का हिसाबःफौजी

भिवानी। पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी ने कहा कि 14 दिसम्बर को दिल्ली में राहुल गांधी की होने वाली रैली अब तक की सभी रैलियों का रिकार्ड तोड़कर एक नया इतिहास लिखेगी। लोगों में रैली के प्रति जबरदस्त उत्साह है। साथ ही उन्होंने कहा कि उक्त रैली में ही आमजनता सतारूढ पार्टी की सरकार से वोट चोरी का हिसाब किताब मांगेगी। रैली में सरकार की जनविरोधी नीतियों का खुलासा किया जाएगा। वे आज गांव धनाना मिताथल में जनसम्पर्क अभियान के तहत लोगों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आए दिन संस्थाओं के नाम बदलने में जुटी है,जबकि धरातल पर कोई कार्य नहीं करवा रही है।

13 को लगेंगे वार्ड 4 व 5 में नप के खुले दरबार

भिवानी। 13 दिसम्बर(शनिवार को) को नगरपरिषद द्वारा खुला दरबार का आयोजन करके वार्ड संख्या 4 के लोगों की समस्याएं विद्यानगर गुजरों का पार्क में सुनी जाएंगी। इसी तरह वार्ड संख्या 5 के लोगों की समस्याएं पंडित नेकीराम पार्क कीर्ति नगर में सुनकर उनका समाधान करवाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि इस दौरान नगरपरिषद के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहेंगे तथा लोगों की समस्याएं सुनने के बाद उनका उसी वक्त समाधान करवाए जाने का प्रयास किया जाएगा।

परमात्मा से मिलने का रास्ता सत्कर्म से : सुमित्रा

भिवानी। हमें अपने जीवन में दूसरों की भलाई व सतक्रम करने चाहिए जिससे ही हमारी आत्मा को परमपिता परमात्मा से मिलने का रास्ता मिल सके। यह केवल आध्यात्म से ही संभव हो सकता है। क्योंकि आध्यात्म हमें सतकार्य करने की प्रेरणा तो देता ही है। इसके साथ-साथ वह हमारे अंदर अच्छे विचार व संस्कार भी पैदा करता है। यह बात प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धि धाम प्रमुख राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन ने बीके आरती मीनू बहन के लौकिक पिता विजय कुमार वर्मा के सांसारिक यात्रा पूरी करने के पांच वर्ष होने पर उनके निमित्त भोग के दौरान संबोधित करते हुए कही।

सेरला में सजेगा खेल और शिक्षा का महाकुंभ

भिवानी। गांव सेरला में सेवाभाव सोशल वेलफेयर सोसायटी और समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से खेल और शिक्षा के एक अनूठे संगम का आयोजन किया जा रहा है। गांव में युवाओं को नशे से दूर रखने और खेल-कूद के साथ-साथ शिक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 12, 13 और 14 दिसंबर को एक भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा। मास्टर विनोद जांगड़ा, नरेश सोनी, विकास पुनिया, ने बताया कि गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय के खेल ग्राउंड में पहली वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

ठप्प सीवरेज व्यवस्था व शुद्ध पेयजल की मांग को लेकर प्रदर्शन किया

बीटीएम व टीआईटी मील के बीच जागृति कॉलोनी निवासियों ने किया प्रदर्शन

भिवानी। पानी की निकासी की मांग को लेकर नारेबाजी करते लोग।

जनसंघर्ष समिति भिवानी के नेतृत्व में जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

जनसंघर्ष समिति भिवानी के नेतृत्व में बीटीएम व टीआईटी मील के बीच में जागृति कालोनी वासियों ने ठप्प सीवरेज व्यवस्था के विरोध में तथा पीने के शुद्ध पानी की मांग को लेकर भारी प्रदर्शन किया तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों व जिला प्रशासन के विरोध में नारे लगाए। जनसंघर्ष समिति के संयोजक कामरेड ओमप्रकाश व दलित अधिकार मंच के संयोजक सुखदेव पालवास प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचे तथा लोगों की सीवरेज व पीने के पानी की समस्या बारे जानकारी प्राप्त की। कालोनी वासियों ने बताया कि यहां पिछले 6 महीने से सीवरेज व्यवस्था ठप्प पड़ी है, गलियों में पानी भरा रहता है, मकानों में सीलन बैठ रही है तथा स्कूली बच्चों, महिलाओं व आम आदमी को आने-जाने में भारी परेशानी होती है। लोगों को गंदे पानी के बीच से ही होकर गुजरना पड़ता है। खासकर स्कूली बच्चों को अच्छी खासी परेशानी उठानी पड़ रही है।

प्रशासन बेखबर

कामरेड ने कहा कि इस जागृति कालोनी में ज्यादातर प्रवासी मजदूर रहते है, उनकी शिकायत पर प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। यदि उनकी दोनों समस्यायों पर ध्यान नहीं दिया तो वे संघर्ष समिति के बैनर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जिला उपायुक्त कार्यालय भिवानी के सामने प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे। प्रदर्शन में रुबी, सुनिता, गंगाबिशन, जगदीश, बृजलाल, चिंटू, गोविंद, पवन, तेजपाल व कई महिला व मजदूर शामिल हुए।

दो माह बीते, नहीं निकल पाया बरसाती पानी

- मरीजों में बीमार होने का बना भय,लाखों रुपये की लागत से बना नया भवन गिरने की कगार पर पहुंचा

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा का नागरिक अस्पताल दूसरों की बीमारी का इलाज करने की बजाए स्वयं बीमार दिखाई देने लगा है। इसका कारण पिछले कई माह से इस भवन के साइड व पीछे के एरिया में बरसाती व सीवरेज का पानी जमा होना है।

मरीज इस सरकारी अस्पताल में जाने से कतराने लगे है और अपना इलाज निज अस्पतालों में करवाने को मजबूर हो रहे हैं वहीं स्वास्थ्य विभाग भी चाहकर कुछ नहीं कर पा रहा है।

बताया जाता है कि जन स्वास्थ्य एवं पीडब्ल्यू विभाग के कर्मचारियों व अधिकारियों ने मौका निरीक्षण किया व पानी निकासी का वादा किया लेकिन उसके बाद कोई समाधान न के बराकर हुआ जिसके कारण पानी

दो चैंबरों में घुसता है सीवरेज का पानी

बताया जाता है कि प्रकृति के कारण अस्पताल में जमा बारिश का पानी कुछ कम होता है तो सीवरेज का गंदा पानी इसमें जमा हो जाता है। दो चैंबर को पानी ने अधिक निशाना बनाया हुआ है जिसके लिए लेवल का ऊँचा होना जरूरी हैं। पानी जमा होने के कारण इसके भवन की दीवारों में दरारें आने लगी है जिससे स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी भी डर के साए में काम करने को मजबूर दिखाई देते हैं जबकि पुराना भवन पहले ही जर्जर घोषित हो चुका है।

बवनीखेड़ा। अस्पताल के भवन के पास जमा बारिश के पानी का दृश्य।

भवन के तीन तरफ पांच फुट तक जमा है पानी

बताया जाता है कि नागरिक अस्पताल में पीडब्ल्यूडी बीएंडआर विभाग द्वारा लगभग 40 लाख की लागत से नया भवन जिसमें तीन कमरे व बरामदा बनाया था। बनाते समय इसका लेवल नहीं देखा गया और पहले बने भवन के लेवल के हिसाब से इसे बना दिया गया जिससे बरसात के समय पानी इस भवन में घुसने के कगार पर हो गया वहीं इसके पानी को न निकालने के कारण इस भवन की दिवारों में दरारें आनी शुरू हो गई है। बताते हैं कि इस भवन के तीनों तरफ पानी जमा है। ये पानी तीन से पांच फुट तक जमा है जिससे मरीज भी अस्पताल में जाने से भय खाने लगे हैं। बीते दिनों भी सोमबीर की पत्नी को बच्चा होने पर अस्पताल के कमरे में कीटनाशक जीव-जंतू घुस गए थे जिन पर बड़ी मुश्किल से काबू पाया गया था।

दो विभाग के कर्मचारियों व अधिकारियों ने किया निरीक्षण

चिकित्सक रवि चैधरी ने बताया कि जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग एवं पीडब्ल्यूडी बीएंडआर के कर्मचारियों व अधिकारियों ने निरीक्षण किया था व पानी निकासी की बात कही थी लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। वहीं उन्होंने बताया कि पानी जमा होने से भवन में दरारें आनी शुरू हो गई है। चैंबर का लेवल ऊँचा उठाना पड़ेगा।

भिवानी। पानी की निकासी के लिए जाटू लोहारी में एक जगह लगाए पांच पम्पसेट।

विधानसभा सत्र की तारीख मुकर्रर

अफसरों को याद आया बारिश का जमा पानी

- विपक्षियों के समक्ष फजीहत से बचने के लिए पानी निकासी के लिए अधिकारियों ने झोंकी पूरी ताकत

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

विगत में सीएम नायब सैनी की विधायकों के साथ मीटिंग के बाद विधानसभा सत्र की तारीख तय(संभावित 18 दिसम्बर) करने के बाद बारिश के जमा पानी को लेकर हायतौबा मच गई है। तय सीमा में खेतों में जमा बारिश के पानी की निकासी को लेकर प्रशासन ने कमर कस ली। सुबह से लेकर शाम तक नहीं ,बल्कि रात को भी पम्पसेट चलाने शुरू कर दिए है। ताकि अगले तीन से चार दिनों के भीतर खेतों में जमा पानी की निकासी हो सके। दूसरी तरफ से इस बारे में उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को पत्र भेजकर जल्द से जल्द खेतों में जमा पानी की निकासी करवाए जाए। इसके लिए सिचांई विभाग के अधिकारियों के दिन व रात डयूटी लगा दी है। इस मामले में किसी तरह की कोई कोताही व ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी।

30 गांवों में रबी की फसल तबाह

अभी तक जिले के करीब 30 गांवों के खेतों में बारिश का पानी जमा है। जिससे खरीफ फसल पूरी तरह से खतम हो गई है। अब तक बारिश का पानी जमा होने की वजह से रबी फसल की बिजाई भी नहीं हो पाएगी। जिन गांवों के खेतों में बारिश का पानी जमा है,जिनमें खरक, कलिंगा, चांग, सैय, बडेसरा, धनाना, मुंढाल, तालू, सुखपुरा, जताई, तिगड़ाना, मिताथल, घुसकानी, गुजरानी, प्रेमनगर, पुर, सिवाड़ा, कुंगड़, अलखपुरा, बड़सी, खेड़ी दौलतपुर, पपोसा, जमालपुर, आदि के खेतों में बारिश का पानी जमा है।

विगत में सरकार ने विधानसभा सत्र की प्रस्तावित तारीख तय की है। हालांकि अभी इस बारे में किसी भी विभाग में पत्र नहीं पहुंचा है,लेकिन फिलहाल 18 दिसम्बर को विधानसभा सत्र शुरू करने की तैयारी में जुट गया है। इस दौरान विपक्षियों द्वारा खेतों में जमा पानी का मुद्दा उठाए जाने की संभावना को लेकर पानी की निकासी में जुट गया है। चूंकि भारी बारिश हुए करीब 102 दिन से ज्यादा का समय बीत गया,लेकिन अभी भी अनेक गांवों में बारिश का पानी जमा है।

शिवकुमार तंवर ने संभाला पदभार

- शिव कुमार तंवर के नेतृत्व में जिला परियोजना समन्वय के कार्यों में आएगी तेजी व पारदर्शिता : पिंकू

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

शिक्षा विभाग भिवानी में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव के तहत शिवकुमार तंवर को जिला परियोजना समन्वयक अधिकारी की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने आधिकारिक रूप से अपने पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। वही भिवानी के जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी की जिम्मेवारी विनय जिंदल को मिली। इस अवसर पर नवनियुक्त जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी विनय कुमार जिंदल ने नवनियुक्त जिला परियोजना समन्वयक अधिकारी शिवकुमार तंवर को विधिवत रूप से कुर्सी पर बैठाकर कार्यभार ग्रहण करवाया और नई पारी के लिए शुभकामनाएं दीं। तंवर के पदभार संभालने के दौरान कार्यालय में उत्साह का माहौल रहा। इस मौके पर शिक्षा जगत से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। खंड शिक्षा अधिकारी तोशाम विजय सांगवान, स्टेट अवॉर्डी प्राचार्य पवन शास्त्री और जिला गीता जयंती नोडल अधिकारी जितेंद्र शास्त्री के अतिरिक्त राकेश रोहिला, विनोद पिंकू पीटीआई, प्रवेश गौतम,प्राचार्य विवेक अदलखा, बलजीत दहिया, दुष्यंत कुमार, रितु ने डीपीसी को पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी।

भिवानी। जिला परियोजना समन्यवक अधिकारी की जिम्मेदारी मिलने पर स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

कार्यप्रणाली की मुक्तकंठ से प्रशंसा

इस मौके पर शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने नवनियुक्त डीपीसी शिव कुमार तंवर और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी विनय कुमार जिंदल की कार्यप्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। विनोद पिंकू ने कहा कि शिव कुमार तंवर और विनय कुमार जिंदल दोनों ही अधिकारी अपनी बेहतरीन कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा के लिए जाने जाते हैं। शिव कुमार तंवर का अनुभव और काम करने का तरीका भिवानी के शिक्षा विभाग में नई ऊर्जा का संचार करेगा। वहीं डीईईओ विनय कुमार जिंदल के कुशल नेतृत्व में जिले की शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। इन दोनों अधिकारियों का साथ होना जिले के विकास कार्यों को और गति प्रदान करेगा। शिव कुमार तंवर के नेतृत्व में जिला परियोजना समन्वय के कार्यों में पारदर्शिता और तेजी आएगी।

छात्राओं में कौशल विकसित करना उद्देश्य

- महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय भिवानी में 10 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय भिवानी में प्राचार्य डा. जगबीर सिंह के निर्देशन और महिला प्रकोष्ठ के प्रभारी डा. सुदेश के निर्देशन में 10 दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन समारोह आयोजित हुआ। इस कार्यशाला में 50 से अधिक छात्राओं को सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया गया।

प्राचार्य डा. जगबीर सिंह ने छात्राओं और महिला प्रकोष्ठ के संपूर्ण स्टाफ को इस कार्य के लिए सराहा। उन्होंने बताया कि आज के युग में प्रत्येक छात्र- छात्रा का सर्वांगीण विकास करने के लिए, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए तथा समाज में प्रतिष्ठा दिलाने के लिए पढ़ाई के साथ-साथ उनमें विभिन्न कौशलों को विकसित करना आवश्यक है, ताकि वे सम्मान के साथ अपना जीवन यापन कर सके। उपप्राचार्य डा. जगबीर मान ने बताया कि छात्रों में छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने के लिए और उनके भविष्य को निर्मित करने के लिए यह सिलाई कढ़ाई का प्रशिक्षण मील का पत्थर साबित होगा। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डा. सुदेश ने बताया कि सरकार द्वारा लड़कियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस प्रकार के अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से छात्राओं में विभिन्न प्रकार के कौशलों को विकसित किया जा सके। छात्राओं को प्रशिक्षण देने के लिए पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार शिक्षण संस्थान पालूवास भिवानी से प्रमिला को बुलाया गया था। कार्यशाला में उन्होंने छात्राओं को कढ़ाई व सिलाई में पैंट प्लाजो, सिंपल सलवार, बेल्ट प्लाजो, बेल्ट ब्लाउज, प्रिंसेस कट ब्लाउज, सिंपल ब्लाउज, पेप्लम टॉप, धोती सलवार, कुर्ता और अनारकली सूट आदि बनाना सिखाया। कई छात्राएं अपने द्वारा बनाए गए सूट पहनकर आई। उन्होंने संदेश दिया कि किसी भी कार्य को पूरी लग्नता से सीखा जाए तो हर काम में सफलता प्राप्त हो सकती है।

भिवानी। प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित छात्राएं व अन्य। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

मीडिया प्रभारी डा. पंकज शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय का महिला प्रकोष्ठ समय-समय पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन करता है, जिससे छात्राएं आत्मनिर्भर बन सके व भविष्य में उन्हें अच्छे रोजगार प्राप्त हो सके। इस कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ के विभिन्न सदस्य पूजा, विनय, संगीता, डा. योगमाया, सरिता, दीपशिखा व स्टाफ उपस्थित रहा।

सीएम आवास पर राज्य स्तरीय होगा आक्रोश प्रदर्शन

- बवानी खेड़ा व भिवानी के इलाकों में जत्था अभियान चलाया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सयुक्त निर्माण मोर्चा हरियाणा के आह्वान पर निर्माण मजदूरों की बंद साइट खोले जाने, यूनियनों को तसदीक का अधिकार देने, लेबर कोड रद्द करने की मांग को लेकर 14 दिसंबर के कुरुक्षेत्र मुख्यमंत्री आवास पर रोष प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर संयुक्त निर्माण मोर्चा ने बवानी खेड़ा व भिवानी के इलाकों में जत्था अभियान चलाया गया। जत्था अभियान के माध्यम से ढाणी हुनात, बड़सी, बलियाली, तालु, बामला, बडेसरा व चांग में नुक्कड़ जनसभाएं आयोजित की गई।

प्रदर्शन में मजदूर-कारीगर दिखाएंगे अपनी ताकत

भिवानी। बैठक में महिलाओं को संबोधित करते एक वक्ता। फोटो : हरिभूमि

अधिकारों से वंचित

उन्होंने कहा कि मजदूर अपने वैधानिक अधिकारों से वंचित हो गए हैं। भवन निर्माण कल्याण कोष में 6 हजार करोड़ रुपये जमा पड़े हैं जिसको सरकार मजदूरों के कल्याण पर खर्च करने की बजाए खुर्द बुरद करना चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर, मजदूरों का हक लूटा जा रहा है, हरियाणा सरकार निर्माण कल्याण बोर्ड में भ्रष्टाचार व फर्जीवाड़ा करने वाले अधिकारियों व दलालों पर कार्यवाही करने की बजाए मजदूरों के हकों पर ही डाका डाला जा रहा है।

सरकार के खिलाफ किसानों ने जमकर नारेबाजी की

चार माह से तहसीलदार के रिक्त पद पर स्थायी अधिकारी की तैनाती नहीं हुई

तहसीलदार का आदेश पत्र नहीं पहुंचा किसानों का 11वें दिन जारी रहा धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढड़ा

तहसील कार्यालय में चार माह से तहसीलदार के रिक्त पद पर स्थाई अधिकारी की तैनाती न होने के खिलाफ तहसील परिसर में 11वें दिन भी धरना प्रदर्शन जारी रहा। उग्र किसानों ने उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भाकियू अध्यक्ष हरपाल सिंह भांडवा की अध्यक्षता में संचालित धरने को संबोधित करते हुए कहा कि अधिकारियों को बार -बार अतिरिक्त कार्यभार मिलने से दैनिक कामकाज ठप्प है और इससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है। चार माह से तहसीलदार का पद रिक्त होने से डीआरओ को अतिरिक्त कार्यभार देकर उनको परेशान किया जा रहा है। उपमंडल मुख्यालय के तहसीलदार के रिक्त पद पर जिला राजस्व अधिकारी की अतिरिक्त तैनाती कर लोगों को बेवजह परेशान किया जा रहा है। चार माह से रिक्त पद से भूमि रजिस्ट्री, प्रमाणपत्र व अन्य कार्य के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है।

बाढड़ा। धरने पर नारेबाजी करते प्रदर्शनकारी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

ढोपहर के समय तहसीलदार की जगह डीआरओ द्वारा कार्यालय में पहुंचने पर तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन में शामिल भाकियू, अधिवक्ता संघ, नंबरदार एसोसिएशन, स्टांप वेंडर एसोसिएशन पदाधिकारियों ने जमकर नारेबाजी की। उनके अलावा अधिवक्ता संघ अध्यक्ष एडवोकेट संजीव श्योराण, भाकियू महासचिव ओमप्रकाश उमरवास, अधिवक्ता अनिल मान, एडवोकेट अशोक श्योराण, नंबरदार एसोसिएशन अध्यक्ष राजबीर हंसावास, पूर्व सरपंच वेदप्रकाश, करणसिंह बाढड़ा, अतर सिंह बाढड़ा, पूर्व सरपंच गिरधारी मोद, सतबीर बाढड़ा, कमलसिंह हड़ौदी, आनंद वालिया, राम अवतार लाड, अजय आर्य, विकास आदि मौजूद रहे।

अमेजिंग
शिखर चंद जैन

ये हैं दुनिया के सुपर कोल्ड प्लेसेस

बच्चो, जाड़े के मौसम में जब टेंपरेचर 5-10 डिग्री सेल्सियस के आस-पास तक पहुंच जाता है तो हमें जोरों की ठंड लगने लगती है। जरा सोचो, अगर टेंपरेचर माइनस 80-90 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाए, तो क्या होगा? सोचकर ही कंपकंपी छूट गई न! दुनिया की कुछ ऐसी ही जगहों के बारे में हम बता रहे हैं, जहां पड़ती है कड़ाके की ठंड।

याकुत्स्क-साइबेरिया रूस

रूस के साइबेरिया में स्थित याकुत्स्क शहर दिसंबर के महीने में पूरी तरह से आइसक्रीम की तरह जम जाता है। इस महीने इस शहर का तापमान -31 से -41 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच जाता है। यहां महज चार घंटे के लिए सूरज की रोशनी मिलती है। याकुत्स्क को दुनिया का सबसे कम तापमान वाले शहर का खिताब मिला हुआ है। 5 फरवरी 1891 को यहां अब तक का सबसे कम तापमान -64.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। याकुत्स्क में पर्माफ्रॉस्ट का अनुभव होता है। पर्माफ्रॉस्ट का मतलब ठंडे तापमान के कारण जमीन का स्थायी रूप से जम जाना होता है। इस शहर की कुल आबादी 3 लाख 55 हजार है। *

पूर्वी अंटार्कटिक पठार अंटार्कटिका

पूर्वी अंटार्कटिक पठार, जिसे अंटार्कटिक पठार या किंग हाकोन सेवेन पठार भी कहा जाता है, पूर्वी अंटार्कटिका के लगभग दो-तिहाई हिस्से में फैला हुआ है। यह पृथ्वी पर सबसे ठंडा स्थान है। यहां अब तक का न्यूनतम तापमान -94.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसकी जलवायु अत्यधिक ठंडी और शुष्क है। यह एक विशाल महाद्वीपीय पठार है, जो लगभग 3,000 मीटर (9,800 फीट) की औसत ऊंचाई पर स्थित है। यह पठार एक मोटी, स्थाई बर्फ की चादर से ढंका हुआ है, जिसकी मोटाई कुछ जगहों पर साढ़े चार किलोमीटर तक हो सकती है। अत्यधिक ठंड के कारण यहां कोई जीव-जंतु नहीं पाए जाते हैं। यहां के कुछ तटीय क्षेत्रों को छोड़कर, वनस्पतियों के रूप में केवल लाइकेन और मॉस ही पाए जाते हैं। *

वोस्तोक स्टेशन अंटार्कटिका

वोस्तोक अनुसंधान केंद्र की स्थापना सोवियत संघ (पूर्व में रूस और कुछ अन्य देशों का संघ) ने 1957 में की थी। दक्षिणी ध्रुव पर स्थित, दक्षिणी गोलार्ध के इस क्षेत्र में जुलाई 1983 में अब तक का न्यूनतम तापमान -89.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह पृथ्वी के सबसे शुष्क स्थानों में से एक है। यहां प्रति वर्ष लगभग 20 मिलीमीटर वर्षा होती है, लेकिन यहां पानी नहीं बर्फ बरसती है। *

क्लिंक स्टेशन ग्रीनलैंड

क्लिंक मौसम केंद्र, आर्कटिक सर्कल का सबसे ठंडा स्थान है। मध्य ग्रीनलैंड में स्थित क्लिंक स्टेशन में साल 1991 के दिसंबर में -69.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो ओम्याकॉन के पिछले रिकॉर्ड से -2 डिग्री सेल्सियस कम है। बच्चो, चिंता की बात यह है कि अत्यधिक ठंड के बावजूद, ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्रीनलैंड की अधिकांश बर्फ पिघल रही है। *

ओम्याकॉन-साइबेरिया रूस

आर्कटिक सर्कल के उत्तरी ध्रुव पर स्थित ओम्याकॉन पृथ्वी पर सबसे ठंडा स्थाई रूप से बसा हुआ स्थान है। 1933 में यहां का न्यूनतम तापमान -67.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। यहां सर्दियों के दौरान औसत न्यूनतम तापमान लगभग -50 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहता है। 500 से कम आबादी वाले इस शहर में स्कूल केवल तभी बंद होते हैं, जब तापमान -55 डिग्री सेल्सियस से कम हो। यहां की अत्यधिक ठंड का एक कारण यह है कि यहां की पहाड़ियां ठंडी हवा को अंदर आने देती हैं और गर्म हवा को बाहर रखती हैं। इसके अतिरिक्त, दिन के समय यहां बहुत कम उजाला रहता है, जिससे तापमान और भी गिर जाता है। *

एमंडसन-स्कॉट स्टेशन अंटार्कटिका

दक्षिणी ध्रुव पर स्थित, एमंडसन-स्कॉट स्टेशन 1956 में बनाया गया था। यहां गर्मियों में छह महीने धूप और सर्दियों में छह महीने पूरी तरह अंधकार

रहता है। पूर्वी अंटार्कटिक पठार के इस हिस्से में जून 1982 में सबसे कम तापमान -82.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इस स्टेशन का औसत वार्षिक तापमान लगभग -49.4 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहता है। यह दुनिया के सबसे दक्षिणी अनुसंधान केंद्रों में से एक है, जो अंटार्कटिका के ठंडे वातावरण में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करता है। यहां खगोल विज्ञान, भूकंप विज्ञान और जलवायु परिवर्तन जैसे विविध विषयों पर शोध किए जाते हैं। *

न ही नीला, न ही गाय फिर क्यों कहते हैं नीलगाय?

बच्चो, नीलगाय का नाम सुनकर ऐसा लगता है जैसे, यह कोई ऐसी गाय होगी, जिसका रंग नीला होता होगा। या नीले रंग की गाय होती होगी। लेकिन ऐसा नहीं है! जानो, नीलगाय के बारे में कुछ बातें।

जीव जंतु
नयनतारा

बच्चो, नीलगाय एक ऐसा जानवर है, जिसका नाम उसके गुणों से मेल नहीं खाता। नीलगाय न तो नीला होता है और न ही यह गाय है। तो फिर इस पशु को नीलगाय क्यों कहते हैं? क्या हैं इसकी शारीरिक विशेषताएं, जानो।

रंग अलग-रूप अलगः नीलगाय के शारीरिक रंग की बात करें तो इसका रंग इसके नाम के अनुरूप नीला नहीं, बल्कि स्लेटी या धूसर होता है। दूसरी बात कि यह गाय जैसा नहीं बल्कि घोड़े की तरह दिखाई देता है। हालांकि यह घोड़े की तरह तेज नहीं दौड़ पाता। ऐसा इसलिए, क्योंकि नीलगाय का पिछला हिस्सा अगले हिस्से से कम ऊंचा होता है।

नीलगाय नाम क्यों पड़ाः बच्चो, तुम सोच रहे होगे कि कलर और शारीरिक संरचना में इतना अंतर होने के बावजूद इसका नाम 'नीलगाय' क्यों पड़ा? दरअसल, इसका स्लेटी या धूसर रंग दूर से देखने पर 'नीला' दिखाई देता है। रंग की बात समझने के बाद अब यह भी जान लो कि इसके नाम में 'गाय' क्यों जोड़ा गया? इसका कारण यह है कि मादा नीलगाय अपने भूरे रंग के कारण गाय की तरह दिखती है। इन्हीं दो कारणों से इसे नीलगाय कहा जाता है। वैसे वैज्ञानिक तौर पर इसे हिरण परिवार का सदस्य माना जाता है।

क्या नीलगाय हिंसक होता हैः बच्चो, हर जीव-जंतु की अपनी एक विशेषता होती है। कुछ काफी खतरनाक होते हैं, तो कुछ का स्वभाव बेहद शांत होता है। नीलगाय की बात करें, तो यह आमतौर से शांत स्वभाव का पशु है। लेकिन इसे छेड़ने पर यह घोड़े की तरह दुलत्ती भी मार सकता है। वैसे, नीलगाय दूर से देखने में बहुत ही प्यारा लगता है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / अनुराग मनींद्र

बाल गीतों का मनभावन संग्रह

बच्चो, हाल ही में तुम्हारे लिए शिशु और बाल गीतों का एक प्यारा-सा संग्रह आया है, नाम है-कुहू। इसके रचनाकार हैं राजा चौरसिया। इस संग्रह में कुल 40 गीत संकलित हैं। इस संग्रह में गीतों का संकलन कुछ ऐसा है कि इसे पढ़-सुनकर हर उम्र के बच्चे को आनंद आएगा। इसमें अलग-अलग विषयों पर गीत हैं। 'कुहू', 'बंदर और बंदरिया', 'गोलू और गधा', 'तुलसी', 'भूमि की महिमा', 'ज्ञान और विज्ञान', 'ओ पापा!', 'मम्मी ने कहा', 'ओ मेरी नानी!', 'दादा जी', 'हम', 'होली आई रे!', 'उत्सवी उत्साह' जैसे गीत तुम्हें खूब भाएंगे। इनमें से कुछ में तुम्हें प्रकृति और पर्व-त्योहार की झलक मिलेगी। कुछ गीत तुम्हें प्यारी-सी सीख भी देंगे। संग्रह में 'कुहू' जैसे कुछ गीत बहुत ही छोटे हैं तो 'बचपन के दिन : ताक-धिनाधिन' जैसे थोड़े बड़े गीत भी हैं। इन गीतों को पढ़कर, गुनगुनाकर, अपने छोटे भाई-बहनों को सुनाकर तुम्हें बहुत मजा आएगा। इस संकलन में बाल गीतों के साथ उनसे मेल खाते सुंदर और मोहक चित्र भी छपे हैं। *

किताबः कुहू (शिशु एवं बाल गीत), **लेखकः** राजा चौरसिया, **मूल्यः** 125 रुपए, **प्रकाशकः** पाथेय प्रकाशन, जबलपुर

बूझो तो जानें

1 कांच के लेंस में मैं बैठा हूं
दूर को पास दिखाता हूं।
गगन, चंद्रमा, नक्षत्रों के
गुप्त रहस्य बताता हूं।

2 न जल हूं, न कोई धार
फिर भी बहती हर घर-बार।
चमक दिखाऊं, काम कराऊं
मुझसे चलें मशीन हजार।

3 आंखों को न दिखाई देती
रहूं रात-दिन सबके पास।
पेड़ों की पतियां हिलाती
मुझसे ही लेते सब श्वास।

- गौरीशंकर वैश्य विनम्र

उत्तर : 1.दूरबीन, 2.बिजली, 3.हवा

जीके क्विज-183

1. वर्ष 2030 का कॉमनवेल्थ गेम्स भारत के किस राज्य में आयोजित किया जाएगा?
2. मध्यप्रदेश के वर्तमान राज्यपाल कौन हैं?
3. चींटियों के काटने से किस एसिड के कारण जलन होती है?
4. फिडे वर्ल्ड कप का संबंध किस खेल से है?
5. दुनिया में सबसे अधिक ज्वालामुखी (वॉल्केनो) वाला देश कौन-सा है?
6. एफिल टॉवर किस शहर में स्थित है?
7. स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री कौन थे?
8. सुभाष चंद्र बोस को सबसे पहले 'नेताजी' किसने कहा था?
9. मिट्टी का अध्ययन क्या कहलाता है?
10. वायुमंडल में कौन-सी गैस सर्वाधिक पाई जाती है?

बच्चो, जीके क्विज-183 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-182 का उत्तर : 1. गुरु तेग बहादुर, 2. लक्ष्य सेन, 3. आरिफ मोहम्मद खान, 4.तिरुवनंतपुरम, 5. हरिवंश राय बच्चन, 6.प्रोपेन और ब्यूटेन, 7.विटामिन-डी, 8.नेपाल, 9.ऑस्ट्रेलिया, 10.सहारा

जीके क्विज-182 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, ओमदेव-मुंगेली, शुभम-बलौदा बाजार, गुंजा-रायपुर, ज्योति-बैकुंठपुर, कनिका-रायपुर, अमन-दुर्ग, विकास-रोहतक, कार्तिक-महासमुंद, प्रवीण-बिलासपुर, रजत-भोपाल

कहानी
अंजना मनोज गर्ग

ठिठुरती सर्दी में गोलू रजाई में मुंह ढंके लेटा था। उसका स्कूल जाने का जरा भी मन नहीं था। तभी उसे लगा, उसकी रजाई उससे स्कूल जाने के लिए बोल रही है। गोलू को आश्चर्य हुआ कि रजाई बोल भी सकती है! क्या रजाई सचमुच गोलू से कुछ बोल रही थी, कोई सीख दे रही थी? पढ़ो, मजेदार कहानी।

रजाई की सीख

रजाई ड्रॉइंग

सुबह के सात बज गए थे। गोलू था कि रजाई में से निकलने का नाम ही नहीं ले रहा था। मम्मी, रसोई में खाना बनाते हुए उसे जगाने के लिए बार-बार आवाज लगा रही थीं, लेकिन उसका रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं हो रहा था। बाहर बहुत तेज सर्दी थी। उसके लिए स्कूल जाना और भी कठिन था।

'मम्मी अभी आएंगी, मीठी-मीठी बातें करेंगी और झट से रजाई हटाकर मुझे तैयार करके स्कूल भेज देंगी। उफ! इतनी सर्दी है, मैं स्कूल नहीं जाऊंगा।' गोलू रजाई के भीतर मन ही मन बुदबुदाया।

'क्या बुदबुदा रहे हो गोलू?' एक आवाज आई।

'हुं..ह.. कौन!' एकदम से आई आवाज से गोलू चौंका। उसने रजाई से सिर बाहर निकाल कर देखा, बाहर कोई नहीं था।

'अरे! बाहर क्या देख रहे हो गोलू? मैं यहां तुम्हारी रजाई बोल रही हूं।' हंसती हुई रजाई कुछ फैल गई।

गोलू सकपकाया, धीमे से बोला, 'तुम बोलती भी हो!'

'हां, मुझे बोलना पड़ता है, जब गोलू जैसे बच्चे मेरा गलत फायदा उठाते हैं।' रजाई प्यार से बोली।

'अरे, मैंने क्या गलत फायदा उठाया तुम्हारा?' गोलू ने चिढ़ते हुए रजाई से पूछा। 'देखो तो दिन चढ़ आया है। तुम्हारे स्कूल जाने का समय भी हो रहा है। तुम्हारी मम्मी तुम्हें जगाने के लिए कितनी देर से आवाज लगा रही हैं, लेकिन तुम हो कि मुझे छोड़ना ही नहीं चाहते हो।' रजाई बोली।

'सर्दी कितनी तेज है, ऐसे में स्कूल कैसे जाऊं? तुम्हीं बताओ रजाई।' गोलू ने अपनी बात रखी।

'ओह तो ये बात है! अच्छा गोलू, एक बात बताओ, अगर मम्मी भी सर्दी में मुझमें दुबकी रहें, पापा भी ऑफिस न जाएं और दूध वाला, सब्जी वाला, अखबार वाला और भी सभी लोग मुझमें यह सोचकर दुबके रहें-भई सर्दी बहुत ज्यादा है, हम कोई काम नहीं करेंगे, फिर?' रजाई ने गोलू से सवाल किया।

'अरे! रजाई, अगर मम्मी खाना नहीं बनाएंगी तो मैं, छोटी, पापा सब भूखे रह जाएंगे न।' नन्हे गोलू का ध्यान किसी में नहीं बस मम्मी पर ही अटका था।

गोलू की इस मासूमियत पर रजाई जोर से हंस पड़ी, उसने पूछा, 'और बाकी सब?'

'वो तो उनके अपने काम हैं, उनको तो करने ही हैं। लेकिन मैं तो अभी छोटा हूं न!' गोलू मुंह बना कर बोला।

'छोटे हो, तभी तो तुम्हें केवल एक ही काम करना है, स्कूल जाकर पढ़ाई। बाकी सारे काम तुम्हारे मम्मी-पापा कर ही रहे हैं।' रजाई ने गोलू से कहा।

'हां! अब मैं समझ गया, रजाई।' सिर झुकाए-झुकाए गोलू बोला।

'क्या समझे?' रजाई ने मुस्कुराते हुए जानना चाहा।

'यही कि मुझे रोजाना समय पर तैयार होकर स्कूल जाना चाहिए, चाहे कितनी ही सर्दी हो।' गोलू उत्साह से बोला।

'हां, वेरी गुड! तो अब पहला काम तुम्हें क्या करना है?' रजाई ने गोलू का मन टटोला।

गोलू तुरंत बोला, 'मुझे अभी आपको छोड़कर स्कूल जाना होगा, लेकिन इतनी सर्दी...!'

'तो मैं हूं ना, जब तुम स्कूल से आओगे तो मैं अपनी गर्म-गर्म गोद में तुम्हें फिर से समेट लूंगी, मेरे प्यारे गोलू।' गोलू की बात पूरी होने से पहले ही रजाई बोल पड़ी।

तभी गोलू ने जैसे ही रजाई से सिर निकाला तो पाया कि मम्मी उसे जगा ही रही हैं।

'ओह, तो यह मैं सपना देख रहा था! लेकिन कुछ भी हो, रजाई ने सीख अच्छी दी।' गोलू मन ही मन बोला।

गोलू स्कूल के लिए तैयार हुआ तो बेड पर तह बनी रजाई उसे दिखाई दी। उसे लगा, स्कूल के लिए तैयार होते देखकर रजाई मुस्कुरा रही है। *

कविता
मीरा सिंह 'मीरा'

लाल परी

सपने में मिलने आई कल
प्यारी एक परी।
सुंदर-सुंदर पंखों वाली
लेकर हाथ छड़ी।।
पूछा मैंने नाम बताओ
बोली लाल परी।
लाल रंग के कपड़े पहनी
आंखें बड़ी-बड़ी।।
कानों में हंसकर वह बोली
बाहर तो निकलो।
परी लोक की सैर कराऊं
तुम भी साथ चलो।।
उड़ती-उड़ती जा पहुंची कल
परी लोक सच में।
पेड़ लगे थे चॉकलेट के
बागों में कितने।।

रंग भरो-191

रंग भरो-191 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आन्या, दुर्ग

आशना, जांजगीर

अनन्या, महासमुंद

अंकित, धमतरी

अवनी, रायपुर

पयोनिधि, अंबिकापुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

डॉली-दुर्ग, प्रियंका-रायपुर, रितेश-मटियारी, डॉली-मटियारी, समृद्धि-शहडोल, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, सोनम-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, अंकुश-करनाल, तुषार-बिलासपुर, हर्षिता-कोरबा

रंग भरो 192

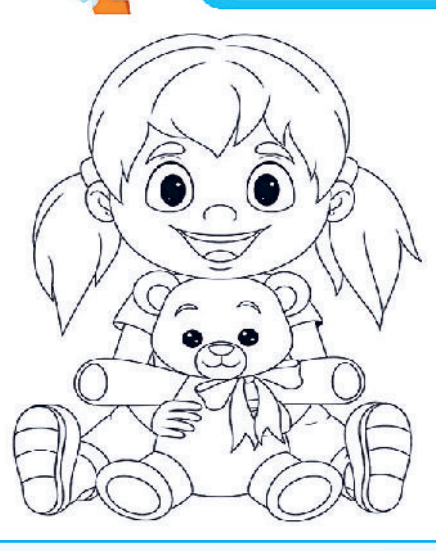

बच्चो, यहां अपने क्यूट-से टेडी बियर को गोद में लेकर बैठी एक लड़की का प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

युवक को बंदूक दिखाकर दी मारने की धमकी

नारनौल। युवक को बंदूक दिखाकर उसको जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। गांव धरसू निवासी महाबीर प्रसाद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीते कल दोपहर लगभग 12 बजे उनके घर के बाहर दो युवक मोटरसाइकिल पर आए और उनके छोटे बेटे विशाल का नाम लेकर आवाज लगाई। जैसे ही वह दरवाजे पर पहुंचे, बाइक पर पीछे बैठा युवक नीचे उतरा तथा उनकी ओर पिस्तौल की तरह दिखने वाली वस्तु तानकर डराने का प्रयास किया।

छात्रों को साइबर क्राइम एवं कानूनी जानकारी दी

मंडी अटेली। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डेरोली अहीर में छात्रों को साइबर क्राइम एवं कानूनी जानकारी दी गई गई। इस कार्यक्रम का आयोजन लीगल लिटरेसी कार्यक्रम प्रभारी हनुमान प्रसाद के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मीनाक्षी शर्मा इंस्पेक्टर रही, जिन्होंने छात्रों को कानूनी जानकारी देते हुए बताया कि लड़कियों को किसी भी प्रकार के शोषण की जानकारी पुलिस को देनी चाहिए तथा दुर्गाशक्ति आपकी सहायता के लिए है।

हजारों की नकदी व आभूषण चुराए

नारनौल। अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर गांव खासपुर में हजारों रुपये की नकदी तथा सोने चांदी के आभूषण चुरा लिए। सदर थाना के गांव खासपुर निवासी अतर सिंह, जो वर्तमान में दिल्ली में रहते हैं। घर से बीती रात अज्ञात चोर ताला तोड़कर नकदी व सोने के आभूषण चोरी करके फरार हो गए। अतर सिंह को उनकी माता विधा ने सुबह फोन पर दी। रात में अपने दूसरे बेटे के घर पर सोने चली जाती हैं। 10 दिसंबर की सुबह जब उनकी माता घर आई, तो देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है।

बेटियां ही समाज की धरोहर : दरियाव आर्य

नांगल चौधरी। बेटियां ही समाज की धरोहर और परिवार की ताकत होती हैं। एक शिक्षित बेटी में दो परिवारों को संभालने की काबलियत होती है। बावजूद समाज में बेटा और बेटियों में भेदभाव होना सामाजिक संकीर्णता का प्रदर्शित करता है। उक्त विचार भुंगारका निवासी आर्य समाजी दरियाव आर्य ने ग्रामीणों को व्यक्त किए। इस दौरान उन्होंने घर में कन्या के जन्म पर उत्सव मनाया गया तथा प्रसाद वितरण करके स्वस्थ्य जीवन की मन्नतें मांगी गई।

नंबरदार मांगों को लेकर मंत्री को सौंपेंगे ज्ञापन

मंडी अटेली। अटेली तहसील के नंबरदारों की बैठक अनाज मंडी में वीरवार को जिला प्रधान रगबीर सिंह की अध्यक्षता में हुई। जिसमें नंबरदारों की समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के 13 को नारनौल में आगमन पर मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस मौके पर मास्टर धर्मेंद्र मिर्जापुर, नंबरदार भूपेंद्र खर्ब, जयपाल, अतर सिंह खारीवाड़ा, कृष्ण कुमार, सुनील नंबरदार आदि मौजूद रहे।

भवन, कक्षाएं, पीने का पानी, शौचालय, बिजली, रैंप, सुरक्षा व स्वच्छता से जुड़े प्रावधान किए शामिल

स्कूलों में आधारभूत सुविधाओं व छात्रहित में जुड़े मुद्दों पर सख्ती, डीईओ ने दिए कड़े निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा मानवाधिकार आयोग चंडीगढ़ के संज्ञान के बाद शिक्षा विभाग हरकत में आ गया है। आयोग ने हिसार जिले के एक विद्यालय के आसपास शराब एवं नशीले पदार्थों की बिक्री, स्कूलों में महिलाओं व छात्राओं के लिए आधारभूत सुविधाओं और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर आई शिकायत पर गंभीर चिंता जताते हुए तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों, मुख्याध्यापकों एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के प्रधानों को विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। डीईओ कार्यालय की ओर से जारी पत्र के अनुसार सभी विद्यालयों को यह सुनिश्चित करना होगा कि स्कूलों में आधारभूत ढांचे व सुविधाओं से संबंधित डेटा तत्काल पोर्टल पर अपडेट किया जाए। जिसमें भवन, कक्षाएं, पीने का पानी, शौचालय, बिजली, रैंप, सुरक्षा व स्वच्छता से जुड़े प्रावधान शामिल हैं। पत्र में कहा गया है कि इस प्रक्रिया में किसी प्रकार की लापरवाही, गलत जानकारी या अपूर्ण डेटा को जवाबदेही व कदाचार माना जाएगा। इसके अतिरिक्त यह भी निर्देश दिए गए हैं कि स्कूल प्रबंधन समिति को सक्रिय किया जाए।

एसएमसी का पुनर्गठन कर मासिक बैठकें अनिवार्य

हर विद्यालय में एसएमसी का पुनर्गठन कर मासिक बैठकें अनिवार्य की गई हैं। जिनमें विद्यालय प्रमुख, अभिभावक, शिक्षक प्रतिनिधि, स्थानीय सदस्य एवं एक छात्र (बाल नेता) शामिल होंगे। इन बैठकों में सुरक्षा, स्वच्छता, सुविधा सुधार एवं छात्र कल्याण से जुड़े सभी बिंदुओं की समीक्षा होगी। साथ ही साथ सामुदायिक सहभागिता व जागरूकता बैठकें अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। हर माह अभिभावकों, पंचायत प्रतिनिधियों, एसएमसी सदस्यों व स्थानीय समुदाय के साथ एक सामुदायिक जागरूकता बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें बच्चों के अधिकार, सुरक्षित वातावरण, विद्यालयी सुविधाएं व शिकायत तंत्र पर जानकारी दी जाएगी।

'नशे को ना कहें, विषय पर जागरूकता सत्र करें आयोजित

पत्र के अनुसार नशा मुक्ति पर विशेष जागरूकता अभियान चलाकर कक्षा 6 से ऊपर के सभी विद्यार्थियों के लिए "नशे को ना कहें" विषय पर जागरूकता सत्र आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग या किसी मान्यता प्राप्त संगठन को शामिल किया जा सकता है। विद्यार्थियों को मादक पदार्थों के स्वास्थ्य, कानूनी व सामाजिक दुष्प्रभावों पर शिक्षित किया जाएगा। साथ ही प्रचार सामग्री, पोस्टर और रिपोर्ट भी तैयार कर अपलोड करनी होंगी।

बीईओ व मंडल स्तर की टीमें करें विद्यालय का निरीक्षण

खंड शिक्षा अधिकारियों तथा मंडल स्तर की टीमें विद्यालयों में निरीक्षण कर ब्लॉक-वार रिपोर्ट भेजने के लिए निर्देशित किया गया है। किसी प्रकार की कमी को छिपाना या गलत रिपोर्ट देना जानबूझकर की गई लापरवाही मानी जाएगी। पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि मानवाधिकार आयोग द्वारा उठाए गए मुद्दे अत्यंत संवेदनशील हैं, इसलिए विभाग ने सभी विद्यालय प्रमुखों को निर्देश दिया है कि वे शत प्रतिशत अपडेट डेटा, मासिक बैठकें, जागरूकता कार्यक्रम और सुविधाओं के मानकीकरण सुनिश्चित करें। पत्र में जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा है कि निर्देशों का पालन न करने वाले स्कूलों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

सफलता में रुकावट नहीं बन सकती दिव्यांगता: महेंद्र चौधरी

नांगल चौधरी। राजपूताना शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में अंतर राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस के अवसर पर सेमिनार लगाया गया। जिसकी अध्यक्षता संस्था के सचिव एचएन धोलीवाल ने की। जिसमें महेंद्र चौधरी मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा और हौंसले की ताकत उत्पन्न करने पर दिव्यांगता भी सफलता के रास्ते में रूकावट नहीं बन सकती। उन्होंने सरकार द्वारा क्रियांवित योजनाओं से अवगत कराया तथा मदद के लिए संस्था में हेल्प डेस्क लगाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शारीरिक विकारों पर मनुष्य का जोर नहीं चलता। विभिन्न कारणों के चलते दुर्घटना, बीमारी के चलते शारीरिक अंग प्रभावहीन हो जाते हैं।

सुनसान एरिया में तहसील जाने पर बढ़ा जोखिम

नांगल चौधरी तहसील कार्यालय को दूर किया शिफ्ट, बढ़ी परेशानी

लूटपाट की वारदातों की आशंका से व्यापारी चिंतित, डीसी को सौंपेंगे ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी तहसील कार्यालय को शहर से करीब तीन किलोमीटर दूर दमकल विभाग के भवन में शिफ्ट कर दिया। जहां तक पहुंचने के लिए परिवहन व टैंपो सेवा उपलब्ध नहीं है, लोगों को किराए पर वाहन लेकर कार्यालय जाना पड़ता है। ऐसे में गरीब वर्ग की परेशानी बढ़ गई। इसके अलावा महिला व छात्राओं को विभिन्न दस्तावेजों के लिए तहसील पहुंचना जोखिम भरा हो गया है।

आपको बता दें कि जनवरी 2013 में नांगल चौधरी उप तहसील का अपग्रेड करके तहसील का दर्जा दिया गया था। पंचायत समिति के भवनों में तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा स्टॉफ के कार्यालय निर्धारित कर दिए। करीब 50 साल पहले निर्मित पंचायत समिति के भवन कंडम हो चुके हैं, कमरों की दीवार तथा छत का प्लास्टर गिरने की शिकायत पर विभाग ने पीडब्ल्यूडी विभाग से भवनों का निरीक्षण कराया था। विभाग ने सभी भवनों कंडम करार देते हुए तुरंत खाली करने की हिदायत दी थी। इसके बाद बीडीपीओ कार्यालय ने तहसील को नोटिस देकर भवनों में जानलेवा खतरे से अवगत कराया तथा जल्द खाली करने का आग्रह किया था, लेकिन जगह के आाभाव में बीते 10 सालों ससे कंडम भवनों में ही तहसील कार्यालय सेवाएं दे रहा है। बीते दिनों बारिश का पानी भरने पर कर्मचारियों ने एसडीएम को समस्या से अवगत कराया तथा सुरक्षित भवन उपलब्ध कराने की गुहार लगाई थी। जिस पर संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन ने दमकल विभाग के भवनों में तहसील कार्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया। उपायुक्त के निर्देशानुसार बुधवार को सामान उठाकर दमकल विभाग के भवनों में लगाना आरंभ कर दिया है, लेकिन यह दमकल विभाग का भवन शहर से करीब तीन किलोमीटर दूर गोशाला रोड पर है। जहां परिवहन व सिटी सेवा उपलब्ध नहीं, कामकाज कराने के लिए किराये के वाहनों में सफर करना लोगों की मजबूरी रहेगी।

नांगल चौधरी। नव स्थापित तहसील कार्यालय में वकीलों से दस्तावेज तैयार कराते आमजन। फोटो : हरिभूमि

समस्या से उच्चाधिकारियों को कराया जाएगा अवगत

तहसीलदार निशा श्योराण ने बताया कि तहसील कार्यालय को दमकल विभाग के कार्यालय में शिफ्ट कर दिया है। अब घरेलू कार्यों के चलते अवकाश पर चली गई, इसलिए वहां की समस्याएं उनके संज्ञान में नहीं आई। सोमवार को कार्यालय आऊंगी तक जन समस्याओं का जायजा लिया जाएगा तथा समाधान के लिए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

हकेंवि में 196.98 करोड़ की 6 परियोजनाओं का भूमि पूजन

- कुलपति प्रोफेसर टंकेशवर कुमार ने शैक्षणिक गतिविधियों के लिए बताया उपयोगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस छह आधारभूत परियोजनाओं का भूमि पूजन वीरवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ। भारतीय परम्परा के अनुसार कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय व एनबीसीसी (इंडिया) के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डॉयरेक्टर केपी महादेवा स्वामी की मौजूदगी में इस निर्माण कार्य की शुरुआत में विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व एनबीसीसी के चीफ जनरल मैनेजर राजीव कुमार ने भी योगदान दिया। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में निर्मित होने जा रही इन छह परियोजनाओं के अंतर्गत 196.98 करोड़ खर्च होंगे। 41,339 वर्ग मीटर में बनने वाली इन परियोजनाओं के अंतर्गत स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ब्लॉक, 16 लेक्चर हॉल, सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर, छात्राओं के लिए दो हॉस्टल, बहुउद्देश्यीय हॉल व विश्वविद्यालय कम्प्यूटर सेंटर का निर्माण किया जाएगा। मौके पर विवि के प्रोवोस्ट प्रो. राजेंद्र प्रसाद मीणा, प्रो. मोना शर्मा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनु यादव, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच आदि मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। छह परियोजना के भूमि पूजन पर कुलपति व एनबीसीसी के अधिकारी।

हकेंवि में वॉलीबॉल प्रतियोगिता जारी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित हो रहे चार दिवसीय उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय वॉलीबॉल पुरुष प्रतियोगिता के तीसरे दिन विभिन्न प्रतिभागी टीमों के द्वारा बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया गया। वीरवार को आयोजित मुकाबलों की शुरुआत लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी व पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला के बीच हुए मुकाबले में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने जीत दर्ज की। एक अन्य मुकाबले में चैधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा व हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी के बीच हुए मुकाबले में हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी ने जीत हासिल की। तीसरे मुकाबले में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी हरियाणा व एमएमयू, अंबाला के बीच हुए मैच में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी हरियाणा ने जीत हासिल की। एक अन्य मुकाबले में कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी व स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, पटियाला के बीच हुए मुकाबले में कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरूक्षेत्र ने बाजी मारी। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ व स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, राई के बीच हुए मुकाबले में पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ और गुरुकुल कांगड़ी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार व एलपीयू यूनिवर्सिटी के बीच हुए मुकाबले में एलपीयू यूनिवर्सिटी की टीम ने जीत हासिल की।

महेंद्रगढ़। विद्यालय संस्थापक का जन्मदिन मनाते हुए। फोटो : हरिभूमि

विद्यालय के संस्थापक का 81वां जन्मदिन मनाया

महेंद्रगढ़। बीआर ज्ञानदीप विद्यालय सुरजनवास के संस्थापक रामसिंह यादव का 81वां जन्मदिन मनाया गया। विद्यालय प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य रामबीर यादव, चेयरमैन रूपराम यादव और समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। रामसिंह यादव का जीवन उच्च आदर्शों और शिक्षा के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। बचपन से ही उन्होंने शिक्षा को मानवता का सबसे बड़ा हथियार माना और इसे हर वर्ग तक पहुंचाने का सपना देखा। उनका मानना था कि शिक्षा सिर्फ एक विषय नहीं, बल्कि समाज को सशक्त बनाने का माध्यम है। विद्यालय की स्थापना के पीछे उनकी सोच थी कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। उन्होंने अपने जीवन के हर क्षण को इस मिशन के लिए समर्पित किया और उच्च मानकों को स्थापित किया। शिक्षकों ने उन्हें बधाई देते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

राजकीय पॉलिटेक्निक में ब्रेक के दौरान स्टाफ ने किया योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

बाबा खेतानाथ राजकीय पॉलिटेक्निक में वीरवार को नियमित कार्य के बीच आयोजित ब्रेक में स्टाफ सदस्यों ने योग प्रशिक्षक की देखरेख में कई महत्वपूर्ण योगासन व श्वास तकनीकों का अभ्यास किया। इस सत्र का उद्देश्य मानसिक शांति, तनाव मुक्ति व दिनभर की कार्यक्षमता को बढ़ाना रहा। कार्यक्रम के दौरान अनुलोम-विलोम, गहरी श्वास संबंधी अभ्यास, ध्यान तथा कुछ अन्य सरल मगर लाभकारी योगासन किए। प्रशिक्षक ने सभी को सही मुद्रा, सही श्वास-प्रश्वास व योग के दैनिक जीवन में महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। नियमित योगाभ्यास से होने वाले शारीरिक व मानसिक लाभों पर भी विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर बाबा खेतानाथ आयुर्वेदिक कॉलेज के योग शिक्षक जगपाल यादव ने योग सत्र का संचालन किया। उन्होंने स्टाफ को प्राकृतिक श्वास क्रियाओं व सरल योगासन के माध्यम से स्वयं को ऊर्जावान बनाए रखने के तरीके बताए। सत्र समाप्त होने के बाद प्राचार्य अनिल यादव ने कहा कि तेज रफ्तार जीवनशैली में योग ही वह माध्यम है, जो मन, शरीर व कार्यक्षमता तीनों को संतुलित रखता है। उन्होंने प्रतिदिन कुछ मिनट योग को जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। इस योगा ब्रेक कार्यक्रम में संस्थान के सभी स्टाफ सदस्य उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे।

नारनौल। बीकेएन में योगाभ्यास करते हुए।

स्याणा स्कूल में स्थायी प्राचार्य नियुक्त करने की मांग रखी

नारनौल। बहुजन समाज पार्टी के नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने प्रदेश सरकार से स्याणा गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में तत्काल स्थाई प्राचार्य नियुक्त करने की मांग की है। अतरलाल ने शिक्षामंत्री महिपाल ढांडा को भेजे ज्ञापन में इलाके के सेहलंग, अगिहार, ककराला व रामबास गांवों के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में भी स्थाई प्राचार्यों की तत्काल नियुक्ति करने की मांग उठाई है। उन्होंने ज्ञापन की प्रति जिला शिक्षा अधिकारी को भी भेजी है। उन्होंने ज्ञापन में कहा है कि उन्हें उक्त गांवों के ग्रामीणों से शिकायत मिली है कि उनके गांवों के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में काफी लंबे समय से स्थाई प्राचार्य नहीं है। जिसके कारण छात्रों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। स्थाई प्राचार्य न होने के कारण स्कूलों में अनुशासन, विकास योजनाओं, आधारभूत संरचना व प्रबन्ध सुधार जैसे कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बच्चों की शैक्षणिक स्थिति पर सीधा असर पड़ रहा है। ग्रामीणों की ओर से जिला प्रशासन व राज्य सरकार से स्कूलों में स्थाई प्राचार्य नियुक्त करने की मांग की जा रही है, सरकार की ओर से प्राचार्य नियुक्त करने में ढिलाई बरती जा रही।

गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का स्थापना दिवस मनाया, दिखा उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी किरारोद स्कूल का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक घड़सीराम की पत्नी प्रेमलता, अध्यक्ष अजय कुमार, वाइस चेयरमैन कुलदीप सैनी, मैनेजिंग डायरेक्टर पूजन सैनी ने मिलकर केक काटा। अध्यक्ष अजय कुमार ने अपने वक्तव्य में कहा कि पिता घडसीराम ने 11 दिसंबर 2003 को इस विद्यालय की नींव रखी थी। प्रथम शैक्षणिक सत्र 11 अप्रैल 2004 से प्रारंभ हुआ था। प्राचार्य नेतराम सैनी ने कहा कि यह विद्यालय शिक्षा के अतिरिक्त खेलों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विज्ञान क्विज, विज्ञान प्रदर्शनी आदि प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर भाग लेता है। प्रवक्ता प्रवीण सैनी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विद्यालय स्तर पर कक्षा से नौवीं से 12वीं तक वॉलीबॉल प्रतियोगिता करवाई गई। फाइनल मुकाबले में कक्षा दसवीं ने 12वीं को हराया।। मौके पर कमल सिंह, धर्मपाल, अंकित सैनी, हेमंत कुमार, प्रीतम, कृष्ण कुमार, मनोज कुमार, मुकेश कुमार, दरियाव सिंह, सुनीता यादव, ममता यादव, मोना, मंजू, कल्पना, रजनी, सोनिका, रुकमा, नीतू शर्मा, उर्वी, रामअवतार सैनी, बृजलाल आदि उपस्थित थे।

नारनौल। स्कूल के स्थापना दिवस पर केक काटते हुए। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी स्कूल के चेयरमैन ने किया सम्मानित

महेंद्रगढ़। वरिष्ठ नागरिक को संबोधित करते राव बहादुर सिंह।

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने गांव–गांव पहुंचकर वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को शॉल, सम्मान-पत्र और पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया। यह कार्यक्रम उन्होंने यदुवंशी सोहली की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुरू किया है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनके अनुभव, मार्गदर्शन तथा संस्कारों से ही समाज मजबूत बनता है। उन्होंने गांव के लोगों से संवाद भी किया और नागरिकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण से जुड़ी आवष्यकताओं की जानकारी ली। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें कैप्टन गजराज, करतार सिंह सातौर, पप्पू प्रेमी, टीलू सरपंच का इस सम्मान समारोह कार्यक्रम में विशेष योगदान रहा।

एसपी ने कॉलेज में छात्राओं से किया संवाद

महेंद्रगढ़। एसपी पूजा वशिष्ठ ने गर्ल्स कॉलेज का दौरा कर छात्राओं के साथ सीधा और आत्मीय संवाद स्थापित किया, जिससे कॉलेज परिसर में उत्साह का माहौल बन गया। एसपी ने औपचारिकता से परे हटकर छात्राओं के बीच जाकर उनके भविष्य की योजनाओं व सपनों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक एसपी से करियर निर्माण और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित कई प्रश्न पूछे। एसपी ने इन प्रश्नों का अत्यंत सरलता और सहजता से जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। एसपी ने छात्राओं से कॉलेज आने-जाने के दौरान रास्तों में पेश आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों के बारे में भी विस्तार से पूछा।

सीजेएम नीलम कुमारी ने ली अधिकारियों की बैठक, दिए निर्देश

बाल विवाह मुक्त भारत: 100 दिन चलेगा विशेष अभियान

लड़कियों की शादी 18 वर्ष से पहले तथा लड़कों की शादी 21 वर्ष से पहले नहीं करनी चाहिए : सीजेएम नीलम कुमारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने वीरवार को अपने कार्यालय में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के संबंध में डीएसपी सुरेश कुमार, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष राजेश गोयल, जिला बाल संरक्षण अधिकारी संदीप कुमार व जिला बाल विवाह निषेध अधिकारी सरिता के साथ बैठक कर आवश्यक दिशानिर्देश दिए। सीजेएम नीलम कुमारी ने कहा कि जिले के सभी गांवों में बाल विवाह मुक्त भारत के संबंध में 100 दिनों का विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे अपने बेटों और बेटियों दोनों को बाल विवाह के खतरे तथा कानूनी परिणामों के बारे में अवश्य जागरूक करें। उन्होंने विशेष रूप से जोर दिया कि लड़कियों की शादी 18 वर्ष से पहले तथा लड़कों की शादी 21 वर्ष से पहले नहीं करनी चाहिए।

सीजेएम ने कहा कि किसी भी संदेहास्पद या संभावित बाल विवाह की सूचना तुरंत 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन पर दी जा सकती है, ताकि समय पर कार्रवाई हो सके।इस मौके पर प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारी निशा व गौरव मौजूद थे।

नारनौल। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के संबंध में बैठक लेती सीजेएम।

कानूनी प्रावधान

सीजीएम नीलम कुमारी ने बताया कि बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है। प्रोहिबिशन ऑफ चाइल्ड मैरिज एक्ट 2006 के तहत 18 वर्ष से कम आयु की लड़की और 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह कानूनन प्रतिबंधित है और इसके लिए कठोर दंड का प्रावधान है।

खबर संक्षेप

मकान की मरम्मत के लिए मुआवजे की मांग

तोशाम। क्षेत्र के गांव खानक निवासी एक व्यक्ति ने पहाड़ में खनन के दौरान हुई ब्लास्टिंग से मकान की छत व पानी की टंकी में दरार आने का आरोप लगाया है। जिसकी शिकायत पीड़ित ने एचएसआईआईडीसी के मुख्य प्रबंधक से की है तथा ब्लास्टिंग से मकान में हुए नुकसान के लिए उचित मुआवजा देने की मांग की है। गांव खानक निवासी कन्हैयालाल ने एचएसआईआईडीसी के मुख्य प्रबंधक को दी शिकायत में बताया कि गांव खानक पहाड़ में ब्लास्टिंग के कारण उसके मकान की छत में पानी की टंकी में दरार आ गई है जिससे उसके मकान के गिरने का खतरा बना हुआ है और इसकी वजह से किसी भी समय कोई बड़ा हादसा घटित हो सकता है जिसमें जान माल की हानि हो सकती है।

आज होगा कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन

चरखी दादरी। कृषि विभाग द्वारा सीआरएम स्कीम वर्ष 2025-26 के अंतर्गत किसानों को कृषि यंत्र अनुदान पर दिए गए थे। जिनमें मुख्यतः सुपर सीडर, ट्रैक्टर माउंटेड लोडर, सेल्फ प्रोपेल्ड रीपर बाइंडर इत्यादि शामिल हैं। इसमें से जिन किसानों ने 30 नवंबर तक पोर्टल पर बिल अपलोड करवा दिए थे, उन किसानों का वेरिफिकेशन विभाग द्वारा 2 दिसंबर को पहले किया जा चुका है। परंतु जिन किसानों ने अपने बिलों को 1 दिसंबर से लेकर 10 दिसंबर तक पोर्टल पर अपलोड किया है उनकी वेरिफिकेशन 12 तथा 14 दिसंबर को दादरी और बाढड़ा में की जाएगी। विवेक बागला ने बताया चरखी दादरी में नई अनाज मंडी में 12 को सुपर सीडर मशीनों का भौतिक सत्यापन होगा।

मीनी एमएनएस में लेफ्टिनेंट बनीं

चरखी दादरी। एचडी स्कूल बिरोहड़ के लिए गुरुवार का दिन अत्यंत गौरवपूर्ण रहा, जब विद्यालय की प्रतिभाशाली पूर्व छात्रा मीनी पुत्री विजय कुमार बिरोहड़ ने एमएनएस में फर्स्ट रैंक प्राप्त करते हुए लेफ्टिनेंट का पद हासिल किया और अपने पुराने विद्यालय में पहुंची। मीनी ने मंच पर अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि चयन प्रक्रिया अत्यंत कठिन होती है, जिसमें शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक तीनों स्तरों पर कड़ी परीक्षा देनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता की कुंजी "हार्ड वर्क विद स्मार्ट वर्क है। मीनी ने विद्यार्थियों को समझाया कि मेहनत तभी परिणाम देती है जब वह सही दिशा में और योजनाबद्ध तरीके से की जाए।

संदीप ने सीएम के ओएसडी से की मुलाकात

भिवानी। धानक जनकल्याण मंच के प्रदेश अध्यक्ष संदीप खरकिया ने मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बड़खलसा से चंडीगढ़ में मुलाकात करके क्षेत्र में खरीफ सीजन के समय में खाद वितरण का कार्य सुचारू रूप से करवाने की मांग की। इसके लिए खाद की आसानी से उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे है। विशेषकर खाद वितरण केन्द्रों पर बीपीएल, एपीएल और अन्य श्रेणियों के लिए अलग-अलग राशन कार्ड पर खाद का वितरण किया जा रहा हैं।

भारी बारिश की वजह से करीब साढ़े तीन माह पहले बर्बाद हुई थी फसल

न मुआवजा मिला न ही बीमा आया काम, खोखले निकले भरोसे तमाम

अभी भी खेतों में कपास की चुगाई बाकी, बर्बाद धान की फसल छोड़ी खेतों में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। लोहारी जाटू के खेतों में जमा पानी में धान व कपास की फसल। *फोटो : हरिभूमि*

भारी बारिश को हुए करीब 102 दिन का समय बीत गया,लेकिन अभी भी पानी की बर्बादी का दंश लोग झेल रहे है। हालात ये है कि आसमान से बरसा पानी आज भी खेतों में जमा है। इस माह में कपास की फसल खतम हो चुकी होती है,लेकिन जलभराव की वजह से आज भी खेतों में रूई युक्त कपास की फसल है,पानी की वजह से कपास की चुनाई नहीं हो पाई है।

हालात ये बने है कि बवानीखेड़ा व भिवानी के साथ लगते आधा दर्जन गांवों में आज भी लोग अपने खेतों तक भी नहीं पहुंच पा रहे है। चूंकि उन खेतों में एक से डेढ फुट तक पानी जमा है। ऐसे में किस तरह से वे अगली फसल की बिजाई कर पाएंगे। इनमें गांव धनाना, बडेसरा, तालू, पुर, जाटू लोहारी व बवानीखेड़ा का कुछ हिस्सा है। इन गांवों के हजारों एकड़ भूमि में आज भी बारिश का पानी जमा है। कपास के पौधें रूई सहित खेतों में है। अपनी मेहनत को पानी में देख कर किसान की आंखों में पानी बहने लगता है। खैर अब किसान ने भगवान के भरोसे छोड़ दिया है। क्योंकि पानी की निकासी हो नहीं पा रही है अब अपने आप ही पानी सूखना शुरू हुआ है। पानी कम होने के बाद ही खेतों में किसानों के आने व जाने का रास्ता बन पाएगा।

रबी फसल की बिजाई पर भी संकट

इस दरम्यान सरकार से जुड़े राजनेताओं ने पानी की निकासी, बर्बाद फसलों का मुआवजा दिलाए जाने के लाख दावे किए,लेकिन इतना समय बीतने के बाद आज तक पीडितों को एक फुटी कौड़ी भी हाथ नहीं लगी। यहां तक कि जिन किसानों ने अपनी फसलों का बीमा करवाया हुआ था। उन किसानों को भी मुआवजा के नाम पर एक पैसा तक नहीं मिल पाया है। खरीफ फसल पूरी तरह से खतम हो चुकी है और रबी फसल की बिजाई भी नहीं हो पाएगी। ऐसे में किस तरह से धरती पुत्र परिवार का पालन व पोषण कर पाएंगे।

न मुआवजा मिला और न ही बीमा क्लेम

जिस वक्त आसमान से आफत बरसी थी। उस वक्त सरकार ने बर्बाद फसलों के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल खोल दिया। किसानों ने बर्बाद फसलों का पंजीकृत कर दिया। जिन किसानों ने अपनी फसलों का बीमा करवाया हुआ था। उन किसानों ने कम्पनी से सम्पर्क किया। उस वक्त सरकारी एजेंसी ने किसानों को मुआवजा व राहत दिलाए जाने का भरोसा दिलाया था,लेकिन तीन माह का समय बीतने के बाद भी उनको न तो मुआवजा मिल पाया और न ही उनको बीमा क्लेम मिला है। ऐसे में वे किस तरह से किसान अपने परिवार का पालन पोषण कर पाएंगे।

किसानों के महापड़ाव को हुए पांच महीने पूरे, सरकार की उदासीनता को लेकर किसानों में रोष

लोहारू। करोड़ों रुपयों के बकाया फसल बीमा क्लेम के भुगतान की मांग को लेकर लोहारू के लघु सचिवालय परिसर में अनिश्चितकालीन महापड़ाव पर बैठे किसानों को पांच महीने पूरे हो गए। पांच माह के बाद भी किसानों की मांगे पूरी नही होने से किसानों में सरकार की उदासीनता के प्रति रोष देखने को मिल रहा है। किसानों ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नही होंगे, किसान पीछे नही हटेंगे। गुरूवार को किसानों के धरने की अध्यक्षता धर्मपाल बारवास, दयानंद दमकोरा, मानसिंह, अमर सिंह फरटिया ने की जबकि धरने का संचालन सुरेंद्र गोपाल वास, शेर सिंह झांझड़ा ने किया। धरने को संबोधित करते हुए किसान नरेंद्र फरटिया, जय सिंह गिगनाऊ, मेवा सिंह भूंगला, सुरेश फरटिया, महताब फरटिया, सुरेंद्र, अजीत, मनफूल ओबरा, रामपाल सिंघानी ने संबोधन में कहा कि पांच महीने से किसान धरने पर बैठे हैं लेकिन उनकी कोई सुध नही ले रही है। किसानों ने कहा कि सरकार ने समय रहते उनकी मांगों को पूरा नही किया तो किसान बड़े आंदोलन की तैयारी करने को मजबूर होंगे। धरने पर अनेक किसान मौजूद रहे।

भिवानी। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते वक्ता। फोटो : हरिभूमि

विधायक आदित्य देवीलाल ने की संगठन की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

महम गेट स्थित भगवान परशुराम मंदिर में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की एक अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिला स्तर पर पार्टी संगठन की मजबूती को परखना और आगामी रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना था। इस बैठक में मुख्य रूप से इनेलो विधायक दल के नेता और डबवाली से विधायक आदित्य देवीलाल तथा राष्ट्रीय संगठन सचिव उमेद लोहान ने शिरकत की। बैठक की अध्यक्षता इनेलो जिला अध्यक्ष अशोक ढ़ाणीमाहु ने की। इस दौरान पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने भिवानी जिले के सभी 17 सैलों (प्रकोठों) के अध्यक्षों और पदाधिकारियों के साथ सीधा संवाद किया। डबवाली विधायक और विधायक दल के नेता आदित्य देवीलाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भिवानी इकाई के कामकाज पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समीक्षा के दौरान यह स्पष्ट हुआ है कि भिवानी जिले में इनेलो का संगठन पूरी तरह से सक्रिय है और मजबूती के साथ काम कर रहा है।

पुराने अनुभव बांटे

बैठक के दौरान पूर्व मंत्री डॉ. वासुदेव शर्मा ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और अपने पुराने अनुभवों को साझा करते हुए पार्टी को मजबूत बनाने के टिप्स दिए। वहीं, जिला अध्यक्ष अशोक ढ़ाणीमाहु ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें आश्वस्त किया कि भिवानी में इनेलो का हर एक कार्यकर्ता पार्टी के दिशा-निर्देशों का पूरी निष्ठा से पालन करेगा। बैठक के समापन पर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में संगठन को और अधिक धारदार बनाने का संकल्प लिया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर धर्मपाल ओबरा, ओमप्रकाश गौरा, सुनील लांबा, जितेंद्र मिनी गौरीपुर, कृष्ण, अनिल, भूप सिंह, दिलबाग चेयरमैन, मुखत्यार नाई, जगराम साहब, आनंद सांगवान, पूर्ण जांगड़ा, डा. मनजीत ढुल, सरोज श्योराण, विजेंद्र टांक, दीपक वाल्मीकि, सुभाष धानक, अनिल श्योराण, संदीप घणघस, राज सिंह, राजेंद्र, सूरजभान एसडीओ, भूपेंद्र कोच, जोनी, सुनील स्वामी, उमेद फौगाट, योगेंद्र सांगा, चांदवीर पूर्णपुरा, अजीत बड़ेसरा, लीला, रतिराम, रामकिशन सरपंच, रोशन सरपंच, मनोज गिल मौजूद रहे।

चिकित्सक की पुस्तक का वैश्विक स्तर पर प्रकाशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वरिष्ठ शैल्य चिकित्सक डॉ. संजय सिंगला एवं डॉ. कुशल मित्तल द्वारा लिखित ऑपरेटिव मैनुअल ऑफ मिनिमली इनवेसिव एंड लेजर एनो. प्रोक्टोलॉजी पुस्तक का प्रकाशन वैश्विक वैज्ञानिक प्रकाशक स्प्रिंगर द्वारा किए जाने के साथ ही इस पुस्तक की विश्व स्तर पर पहचान बन गई है। पुस्तक का विधिवत विमोचन डॉ. सिंगला, उनके परिजनों व भिवानी के वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा एक भव्य समारोह में किया गया। डॉ. सिंगला ने इससे पहले एनोरैक्टम में मिनिमल एक्सेस तथा लेजर सर्जरी के प्रशिक्षण हेतु एक अभिनव पशु मॉडल विकसित किया। इसके लिए उन्हें फिस्टुलाकॉन-2021 में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसके साथ ही उन्हें हार्टलैंड्स हॉस्पिटल, एनएचएस ट्रस्ट, बर्मिंघम (इंग्लैंड) में इंटरनेशनल ट्रैवल फेलोशिप भी प्रदान की गई। पुस्तक के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए डॉ. संजय सिंगला ने बताया कि यह पुस्तक बवासीर (हेमोरॉयडस), मलद्वार विदर (एनल फिशर), फिस्टुला इन-एनो, पाइलोनाइडल साइन्स, ट्रांसएनल मिनीमली इनवेसिव सर्जरी आदि बीमारियों के सिलसिलेवार ऑपरेटिव मार्गदर्शन पर आधारित है।

एक सप्ताह बाद भी नहीं पहुंचे शिक्षक नए स्टाफ पर विभाग ने साधी चुप्पी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बाढड़ा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डुडीवाला किशनपूरा में शिक्षकों की कार्यप्रणाली को लेकर मचे विवाद पर देर सायं गांव के मौजिज ग्रामीणों की मौजूदगी में भाजपा जिलाध्यक्ष इंजीनियर सुनील हड़ौदी की मध्यस्थता के बाद मामले का पटाक्षेप करते हुए दोनों पक्षों की सहमति से छह शिक्षकों की बजाए तीन शिक्षकों को दूसरे स्कूलों में डेपुटेशन करने का फैसला लिया। ग्राम पंचायत के सहमति पत्र को आज भाजपा जिलाध्यक्ष इंजीनियर सुनील हड़ौदी ने जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपकर उचित कदम उठाने की अपील की। सात दिन गुजरने के बाद भी कोई फैसला नहीं हुआ, जिससे पांचवें दिन भी सभी छह शिक्षक नहीं पहुंचे।

नए शिक्षकों की मांग को लेकर सोमवार को सीएम आवास पहुंचेंगे अभिभावक

सरपंच मुकेश, पूर्व सरपंच राजकुमार, नंबरदार राजकुमार जांगड़ा, रामबिलास शर्मा, संजय खटक, रणसिंह सैनी, रतनसिंह, कश्मीर सिंह, बलवान, सुरेंद्र जांगड़ा, सोनू जांगड़ा, प्रमोद खटक, बाबूलाल पंच इत्यादि ग्रामीणों ने कहा कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डुडीवाला किशनपूरा में शिक्षकों के आपसी रवैये से क्षुब्ध अभिभावकों व विद्यार्थियों के तालाबंदी, धरना प्रदर्शन को एक सप्ताह गुजरने के बाद भी बीईओ के पत्र पर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा कोई फैसला नहीं लिया गया है। स्कूल में सात दिन से ना तो मौजूदा शिक्षक पहुंचे हैं और ना ही नए शिक्षकों को डेपुटेशन पर भेजा गया है। इससे बच्चों की पढाई पूरी तरह बाधित हो गई है और शिक्षा विभाग द्वारा ढुलमुल रवैया अपनाने पर ग्राम पंचायत, स्कूल प्रबंधन समिति व अभिभावकों ने कहा कि कल पंचायत में तीन शिक्षकों पर सहमति बनी थी लेकिन आज भी कोई पत्र जारी नहीं किया गया और ना ही स्कूल को शिक्षक मिले हैं। इसीलिए आज आपात बैठक आयोजित कर दो दिन में समाधान न होने पर आगामी सोमवार को 21 अभिभावक व 21 विद्यार्थी चंडीगढ़ पहुंच कर सीएम नायब सिंह सैनी, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा से मुलाकात करेंगे।

युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए : महंत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

तोशाम। खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए। फोटो : हरिभूमि

खेल प्रतियोगिता में हार-जीत मायने नहीं रखतीं ,भागीदारी से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। ये बात खेल स्टेडियम हसान की कब्बडी खेल नर्सरी में खेल रहे बच्चों को अपना संदेश देते हुए हसान मंदिर के गद्दी महंत छोटू नाथ महाराज ने कहीं। महंत छोटू नाथ महाराज ने सभी बच्चों को आशिर्वाद दिया और उज्जवल भविष्य की कामना की।

महंत ने कहा कि युवाओं का राष्ट्र के निर्माण में अहम योगदान होता है। युवाओं को नशे की प्रवृति से दूर रहकर देश के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल हमारे मानसिक एवं बौधिक विकास के लिए अहम कड़ी का काम करते हैं।उन्होंने खेल स्टेडियम में एथलेटिक्स का अभ्यास कर रहीं लड़कियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि आज हमारी बेटियां हर क्षेत्र में अव्वल हैं और कहा कि हर बच्चे को अपनी रुचि अनुसार कोई भी खेल हो खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में जीत ही नहीं बल्कि हार का स्वाद चखना भी जरूरी होता है। हार के बाद जीत की जो लालसा बनतीं है कामयाबी मिलने का उसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। इसलिए खेलकूद जैसी प्रतिस्पर्धाओं में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए।

इस अवसर पर धर्मपाल, सतीश विजय, विनोद, कोच अभिषेक, योगेश फौजी व सतेन्द्र आदि मौजूद थे।

दिव्यांगजनों और बुजुर्गों को रेडक्रॉस देगा उपकरण

- भिवानी रेडक्रॉस द्वारा कैरू में सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए लगाया जांच शिविर
- दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के जीवन को सुगम और आत्मनिर्भर बनाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

बुढ़ापे की लाठी और दिव्यांगजनों का सहारा बनने के उद्देश्य से भिवानी जिला प्रशासन और रेडक्रॉस सोसायटी ने एक सराहनीय पहल शुरू की है। अरावली पावर कंपनी प्रा. लि , सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और एलिम्कोके सहयोग से जिला उपायुक्त एवं रेडक्रॉस अध्यक्ष साहिल गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में सहायक उपरण वितरण प्रदान करने के लिए जिले भर में विशेष जांच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

इन शिविरों का मकसद जिले के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण उपलब्ध करवाना है। यह जानकारी देते हुए सचिव रेडक्रॉस प्रदीप कुमार ने बताया कि इस मुहिम के तहत खंड स्तर पर शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को कैरू के खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय में जांच शिविर का आयोजन किया गया।

दिक्कत

कस्बे में बाईपास न होने से वाहन शहर के अंदर से गुजर रहे

जाम से जूझता बाढड़ा का मुख्य क्रांतिकारी चौक, जनता परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बाढड़ा

बाढड़ा। कस्बे के मुख्य क्रांतिकारी चौक पर लगा वाहनों का जाम। *फोटो : हरिभूमि*

कस्बे में बाईपास न होने से यहां के मुख्य चौक पर हर समय वाहनों से जाम बना रहता है जिससे कस्बे के व्यापारी व आमजन परेशानी से जूझ रहे हैं। यहां से गुजरने वाले चारों सडक़मार्गों के दोनों तरफ अवैध वाहनों, रेहडिय़ों के जमावड़े से यहां से गुजरना मुश्किल हो रहा है वहीं प्रशासन आंखे बंद किए हुए हैं जिससे प्रशासन के प्रति गहरा रोष बना हुआ है। दस हजार से अधिक आबादी वाले कस्बे को आज भी मुलभूत सुविधाओं के लिए तरसना पड़ रहा है। कस्बे में ना तो आवागमन के लिए चौड़े सडक़मार्ग है और जो हैं उनपर भी रेहड़ी व अवैध वाहनों का क4जा बना रहता है। कस्बे के मु2य क्रांतिकारी चौक से बाढड़ा जुई, सतनाली, लोहारु व चरखी दादरी के लिए प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं लेकिन अधिकतर समय तक उनको जाम में ही फंसा रहना पड़ता है। कस्बे की जनता की मांग पर प्रदेश सरकार ने कस्बे में वाहनों के बढते बोझ से निजात दिलवाने के लिए रिंग रोड़ या मिनि बाईपास का दो बार प्रस्ताव भेजा जो पिछले दस साल से केवल कागजी कार्यवाही में उलझ कर रह गया है। सांसद धर्मबीर सिंह के मांगपत्र पर लोकनिर्माण विभाग ने मिनि बाईपास की फाईल को अंतिम रुप तक पहुंचा दिया है लेकिन उसका भी अभी बजट स्वीकृत होने के इंतजार में आमजन को मुख्य चौक पर जाम से परेशानी में उलझना पड़ रहा है। सुबह व दोपहर के समय तो स्कूली बसों के कारण आधा आधा घंटे तक जाम लगना आम बात हो गई है।

प्रशासन कस्बे की समस्याओं से अनजान

बाढड़ा व्यापार मंडल अध्यक्ष सुंदरपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने भले ही कस्बे में बाईपास न मिला व गांव को पंचायत का दर्जा देना हो लेकिन हर मामले में ही सरकार आंखे बंद किए हुए है। उपमंडल का दर्जा मिलने के बावजूद आज वर्षो पूर्व निर्मित सडक़ें टूटी फूटी हैं वहीं दूषित जल निकासी के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। कस्बे से गुजरने वाले सडक़मार्गों के दोनों तरफ दुकानों के सामने प्लेटफार्म निर्मित न होने से जनता परेशानी से जूझ रही है। व्यापार मंडल सफाई व अन्य कामकाज तो संभाल रही है लेकिन यहां पर मुलभूत सुविधाओं का प्रबंध करना सरकार व प्रशासन की जि6मेवारी है। बाईपास की मांग पूरी हो जाए तो बाजार को विस्तार मिलेगा वहीं कस्बे को जाम के संकट से छुटकारा मिलेगा।

विकास पर लगा ग्रहण

बाढड़ा उपमंडल मुख्यालय पर बाईपास न होने से बाजार के विकास पर भी ग्रहण लगा हुआ है और इसके विस्तार में रुकावट बना हुआ है। कस्बे में बाईपास की कमी से सरकारी संस्थानों के निर्माण हो या व्यापारी किसी भी सडक़मार्ग पर निजि व्यवसाय शुरु करने में हिचक रहे हैं। बाईपास या रिंग रोड़ निर्माण होने से बड़े शहरों को जाने वाले वाहन बेरोकटोक गुजर सकते हैं वहीं कस्बे का दूरदराज तक रिहायशी व कमर्शियल तौर पर फैलाव होगा। पिछले वर्ष सांसद धर्मबीर सिंह ने सीएम को पत्र भेजकर बाईपास की सौगात देने की मांग की लेकिन सिरे नहीं चढ़ पाई है।

खबर संक्षेप

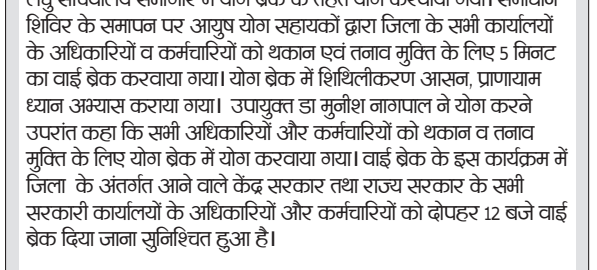

विद्यालय में बच्चों को वितरित किए सर्दियों के कपड़े

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव जमालपुर द्वितीय की एकता समिति द्वारा जमालपुर के राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला में विद्यार्थियों को शीतकालीन वस्त्र वितरित किए। संस्था प्रधान दलीप सिंह, उपप्रधान नत्थूराम, राममेहर, सुरेश कुमार, नवनीत सिंह, रामअवतार यादव, नरेन्द्र कुमार, अनिल कुमार, कृष्ण कुमार, पूर्ण कुमार ने बताया कि बाल वाटिका से पांचवी कक्षा के लगभग 72 बच्चों को जुराबें, स्वेटर, बिस्कुट के पैकेट वितरित किए गए। संस्था द्वारा समय समय पर धार्मिक व सामाजिक कार्यों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई जाती है। विद्यालय में नन्हें-मुन्नें बच्चों को सामग्री वितरित करके उन्हें सुखद अनुभूति हुई और वे भविष्य में भी ऐसा कार्य करते रहेंगे।

गांव काकड़ोली सरदारा में सफल रक्तदान शिविर पुलिस कर्मचारियों ने दिया मानवता का संदेश

बाढड़ा। कस्बे के गांव काकड़ोली सरदारा में वीरवार को आयोजित रक्तदान शिविर में बाढड़ा थाना व पुलिस चौकी अटेला के पुलिस कर्मचारियों ने बढ़-चढक़र भाग लिया । शिविर का आयोजन गांव प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से किया गया, जिसका उद्देश्य आपातकालीन रक्त आवश्यकता को पूरा करना और समर्पित रक्त दाताओं की संख्या बढ़ाना था। शिविर की शुरुआत सुबह 9 बजे हुई और वह शाम तक जारी रहा। जिला स्वास्थ्य टीम, पुलिस स्टेशन बाढड़ा और स्वयंसेवी संगठनों ने मिलकर दान सत्र का संचालन किया। शिविर में आए रक्तदाताओं का प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और रक्तदान के बाद प्रत्येक दाता को आवश्यक देखभाल व आश्वासन दिया गया।

योग ब्रेक के तहत करवाया गया योग

चरखी दादरी । सरकार और आयुष निदेशालय के निर्देशानुसार स्थानीय लघु सचिवालय सभागार में योग ब्रेक के तहत योग करवाया गया। समाधान शिविर के समापन पर आयुष योग सहायकों द्वारा जिला के सभी कार्यालयों के अधिकारियों व कर्मचारियों को थकान एवं तनाव मुक्ति के लिए 5 मिनट का वाई ब्रेक करवाया गया। योग ब्रेक में शिथिलीकरण आसन, प्राणायाम ध्यान अभ्यास कराया गया। उपायुक्त डा मुनीश नागपाल ने योग करने उपरांत कहा कि सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को थकान व तनाव मुक्ति के लिए योग ब्रेक में योग करवाया गया। वाई ब्रेक के इस कार्यक्रम में जिला के अंतर्गत आने वाले केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार के सभी सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों को दोपहर 12 बजे वाई ब्रेक दिया जाना सुनिश्चित हुआ है।

14 दिसम्बर को दिल्ली में महारैली : कमल प्रधान

तोशाम। भाजपा के कुशासन से देश में चल रहे असंवैधानिक घटनाओं के खिलाफ़ आवाज तथा लोकतंत्र को बचाने की मांग 14 दिसम्बर को दिल्ली की रामलीला मैदान में आयोजित होने जा रही महारैली से गूंजेगी। यह बात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल प्रधान ने जूई रोड स्थित रघुवीर सिंह फार्म हाउस तोशाम में आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मीटिंग को संबोधित करते हुए कही। इसके साथ राजस्थान में किसान नेताओं पर हुए हमले की घोर निंदा करते हुए कमल सिंह प्रधान ने महा रैली में पहुंचने के लिए कार्यकर्ताओं की ड्यूटि लगाई , और भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के तानाशाही शासन में कोई भी वर्ग खुश नहीं है। कमल प्रधान ने कहा कि हरियाणा के कई नेता भद्दी जातिगत टिप्पणी कर रहे हैं और उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्होंने शीर्ष नेतृत्व के मांग की कि जल्द से जल्द ऐसा कानून लाया जाए जिसके तहत ऐसी बेकार टिप्पणी करने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो तथा ठोस कार्रवाई हो इस अवसर पर सुभाष यादव, युद्धवीर सिंह चैयरमेन , बलबीर सिंह बजाड़, बिरसिंह चौहान,गुड्डू खरकड़ी, अनिल शेषमा, मुकेश शर्मा ढाणीमाहु, प्रदीप कालीरमन, सुरेश जोगी बिडीसी, अजमेर खासा, देशमुख ददरवाल सतबीर भुक्कल, योगेश पंघाल राजेश खरकड़ी, राजकुमार सांगा, राजपाल यादव, संदीप तरार आदि अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे